**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 103**

**सोमवार, 17 जुलाई, 2017/26 आषाढ़, 1939 (शक)**

**राष्‍ट्रीय राजमार्ग-87 का विस्‍तार**

**103. श्री महेन्‍द्र सिंह माहरा:**

**क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या सरकार राजमार्ग संख्‍या-87 का विस्‍तार कालका-शिमला (चार लेन) राजमार्ग की तर्ज पर काठगोदाम-रानीखेत या काठगोदाम-भीमताल-रानीखेत तक करने हेतु विचार करेगी;

(ख) यदि नहीं, तो क्‍या सरकार यह मानती है कि राज्‍य में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्‍या हर साल बढ़ रही है;

(ग) यदि हां, तो राष्‍ट्रीय राजमार्ग-87 के विस्‍तार में आ रही कठिनाईयों को दूर करने के लिए क्‍या–क्‍या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्‍या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री मनसुख एल. मांडविया)**

**(क):** रामपुर (उत्तर प्रदेश) से जिओलीकोट (उत्तराखंड) तक राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 87 (पुरानी) है और यह आगे राष्ट्रीय राजमार्ग 87ई के जरिए कर्णप्रयाग तक विस्तारित है । इसमें से, रामपुर – काठगोदाम खंड को भारतीय राष्‍ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) द्वारा 4-लेन का बनाने का कार्य किया जा रहा है ।

**(ख):** जी, हां ।

**(ग) एवं (घ):** राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 87 रानीखेत के मार्ग से कर्णप्रयाग तक पहले ही विस्‍तारित है । इस समय, उक्‍त खंड का मौजूदा एकल/मध्‍यवर्ती लेन से पेव्‍ड शोल्‍डर के बिना या सहित 2-लेन में विकास करने हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है ।

\*\*\*\*\*